राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • बृहस्पतिवार • 13 अप्रैल • 2023

कैल्शियम का अद्भुत स्त्रोत है रागी, बाजरा भी गुणों की खान

मोटे अनाजों के मूल्य संवर्धन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

मोटे अनाजों के गुण बताये, उनसे लजीज व्यंजन बनाना सिखाया

हारा न्यूज ब्यूरो

ुर।

ख़र आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी वेद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. सिंह के निर्देश पर वुधवार को कृषि । केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम ावाद में मोटे अनाजों के मूल्य संवर्धन क दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का ज्ञन किया गया। इस मौके पर मोटे ों के गुण वताये गये और उनसे । व्यंजन वनाने की भी जानकारी दी

इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉ. । अवस्थी ने वताया कि मोटे अनाजों षण का पॉवर हाउस कहा जाता है। । में रागी, ज्वार और वाजरा जैसे मोटे । हमारे आहार में लगभग नगण्य हो । उन्होंने वताया कि मिलेट भारत की क फसल है। यही वजह है कि भारत तृत्व में पूरा विश्व 2023 को ष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में मना । उन्होंने वताया कि मोटे अनाज के ंजन वनायें जो स्वादिष्ट हों और जिन्हें रिवार चाव से खाये।

डॉ. अवस्थी ने इनके उपभोग को की दृष्टि से वाजरा का लड्डू व रागी के ट वनाना सिखाया। उन्होंने वताया कि के 100 ग्राम खाद्य हिस्से में लगभग ग्राम प्रोटीन, 67.5 ग्राम कार्वोहाइडेट, ा लौह तत्व और 132 माइक्रोग्राम न मौजूद होता है, जो हमारी आंखों की सुरक्षा करता है। रागी को भारतीय मूल का माना जाता है और यह उच्च पोषण मान वाला मोटा अनाज होता है, जिसमें प्रति 100 ग्राम में 344 मिग्रा कैल्शियम होता है। दूसरे किसी भी अनाज में कैल्शियम की इतनी अधिक मात्रा नहीं पाई जाती है। रागी में लौह तत्त्व की मात्रा 100 ग्राम में 3.9 मिग्रा होती है, जो वाजरे को छोड़कर सभी अनाजों से अधिक है। रागी खाने की सलाह मधुमेह के रोगियों को दी जाती है।

कार्यक्रम में प्रभारी डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि लक्षित देशों के भारत स्थित विदेशी मिशनों के राजदूतों तथा संभावित आयातकों को 'रेडी टू ईट' मोटे अनाज उत्पादों सहित विभिन्न मोटे अनाज उत्पादों को प्रोमोट किये जाने की अवश्यकता है। घर में मोटे अनाज के उपभोग को वढ़ावा देने में महिलाओं की महती भूमिका है। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. अरुण सिंह, डॉ. खलील खान, डॉ. राजेश राय, डॉ. विनोद प्रकाश के साथ औरंगावाद, मझियार, खनखरी, रायपुर, सहतावन पुरवा गांव की 40 महिलाओं समेत 50 लोगों ने प्रतिभाग किया।

13/04/2023

मोटे अनाजों के मूल्य संवर्धन एक दिवसीय प्रशिक्षण

कार्यक्रम में शामिल महिलाएं।

कानपुर, 12 अप्रैल। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम औरंगाबाद में मोटे अनाजों की मूल्य संवर्धन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषाअवस्थी ने बताया कि मोटे अनाजों को पोषण को पॉवर हाउस कहा जाता है। जबकि वर्तमान मे रागी, ज्वार और बाजरा जैसे मोटे अनाज हमारे आहार में लगभग नगण्य हो गए है। उन्होंने बताया कि मिलेट भारत की पारंपरिक फसल है। यही वजह है कि भारत के नेतृत्व में पूरा विश्व 2023 को अंतरराष्टीय मिल्लेट्स वर्ष के रूप में मना रहा है। कार्यक्रम में गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने बताया कि इनके ऐसे व्यंजन बनाये जो स्वादिष्ट हो और इनको पूरा परिवार खा सके। डॉ अवस्थी ने इनके उपभोग को बढ़ाने की दृष्टि से बाजरा का लड्डू व रागी के बिस्किट बनाना सिखाया। उन्होंने बताया कि बाजरे के 100 ग्रा. खाद्य हिस्से में लगभग 11.6 ग्रा. प्रोटीन, 67.5 ग्रा. कार्बोहाइडेट, 8 मि.ग्रा लौह तत्व और 132 माइक्रोग्राम कैरोटीन मौजूद होता है, जो हमारी आँखों की सुरक्षा करता है। रागी को भारतीय मूल का माना जाता है और यह उच्च पोषण मान वाला मोटा अनाज होता है, जिसमें 344 मिग्रा/100 ग्राम कैल्शियम होता है। दूसरे किसी भी अनाज में कैल्शियम की इतनी अधिक मात्रा नहीं पाई जाती है। रागी में लौह तत्त्व की मात्रा 3.9 मिग्रा/100 ग्राम होती है, जो बाजरे को छोड़कर सभी अनाजों से अधिक है। रागी खाने की सलाह मधुमेह के रोगियों को दी जाती है।कार्यक्रम में बोलते हुए प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने कहा लक्षित देशों के भारत स्थित विदेशी मिशनों के राजदूतों तथा संभावित आयतकों को 'रेडी टू ईट' मोटे अनाज उत्पादों सहित विभिन्न मोटे अनाज उत्पादों को प्रोमोट किये जाने की अवश्यकता है। और घर में मोटे अनाजो के उपभोग को बढ़ावा देने में महिलाओं की महती भूमिका है । इस दौरान केविके के वैज्ञानिक डॉ अरुण सिंह, डॉ. खलील खान, डॉ. राजेश राय, डॉ विनोद प्रकाश के साथ औरंगाबाद, मझियार, खनखरी, रायपुर, सहतावनपुरवा गाव की 40 महिलाओं समेत 50 लोगो ने प्रतिभाग किया।

मोटे अनाजों के मूल्य संवर्धन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

यूपी मैसेंजर संवाददाता

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम औरंगाबाद में मोटे अनाजों की मूल्य संवर्धन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया।

इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषाअवस्थी ने बताया कि मोटे अनाजों को पोषण को पॉवर हाउस कहा जाता है। जबकि वर्तमान मे रागी, ज्वार और बाजरा जैसे मोटे अनाज हमारे आहार में लगभग नगण्य हो गए है। उन्होंने बताया कि मिलेट भारत की पारंपरिक फसल है। यही वजह है कि भारत के नेतृत्व में पूरा विश्व को अंतरराष्ट्रीय मिल्लेट्स वर्ष के रूप में मना रहा है। कार्यक्रम में गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने बताया कि इनके ऐसे व्यंजन बनाये जो स्वादिष्ट हो और इनको पूरा परिवार खा सके। डॉ अवस्थी ने इनके उपभोग को बढ़ाने की दृष्टि से बाजरा का लड्डू व रागी के बिस्किट बनाना सिखाया। उन्होंने बताया कि बाजरे के

100 ग्रा. खाद्य हिस्से में लगभग 11.6 ग्रा. प्रोटीन, 67.5 ग्रा. कार्बोहाइडेट, 8 मि.ग्रा लौह तत्व और 132 माइक्रोग्राम कैरोटीन मौजूद होता है, जो हमारी आँखों की सुरक्षा करता है। रागी को भारतीय मूल का माना जाता है और यह उच्च पोषण मान वाला मोटा अनाज होता है, जिसमें 344 मिग्रा/100 ग्राम कैल्शियम होता है। दूसरे किसी भी अनाज में कैल्शियम की इतनी अधिक मात्रा नहीं पाई जाती है। रागी में लौह तत्त्व की मात्रा 3.9 मिग्रा/100 ग्राम होती है, जो बाजरे को छोड़कर सभी अनाजों से अधिक है। रागी खाने की सलाह मधुमेह के रोगियों को दी जाती है।कार्यक्रम में बोलते हुए प्रभारी डॉ अजय कुमार सिंह ने कहा लक्षित देशों के भारत स्थित विदेशी मिशनों के राजदूतों तथा संभावित आयतकों को 'रेडी टू ईट' मोटे अनाज उत्पादों सहित विभिन्न मोटे अनाज उत्पादों को प्रोमोट किये जाने की अवश्यकता है। और घर में मोटे अनाजो के उपभोग को बढ़ावा देने में महिलाओं की महती भूमिका है। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ अरुण सिंह,डॉ. खलील खान, डॉ. राजेश राय, डॉ विनोद प्रकाश के साथ औरंगाबाद, मझियार, खनखरी, रायपुर, सहतावनपुरवा गाव की 40 महिलाओं समेत 50 लोगो ने प्रतिभाग किया।

आज 13/04/2023 महा

यूपी कैटेट संयुक्त प्रवेश परीक्षा 30 व 31 मई को होगी

▫ सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में होगी यूपी कैटेट संयुक्त प्रवेश परीक्षा

वीसी डॉ विजेंद्र सिंह

कानपुर, 12 अप्रैल। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह ने बताया कि प्रदेश के चारों कृषि विश्वविद्यालयों की संयुक्त प्रवेश परीक्षा संपन्न कराने हेतु तैयारियां जोरों से चल रही है। सीएसए के कुलपति ने कहा कि प्रवेश परीक्षा नकल विहीन कराने को लेकर सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और नकल करते पकड़े जाने पर नकलचियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कुलपति ने कहा कि प्रवेश परीक्षा में किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने बताया कि यूपी कैटेट संयुक्त प्रवेश परीक्षा 30 एवं 31 मई-2023 को प्रदेश के 10 शहरों में आयोजित कराई जाएगी।

उन्होंने बताया कि इस बार प्रवेश परीक्षा के लिए दो और जनपदों आजमगढ़ एवं झांसी को शामिल किया गया है। इन दो जनपदों के बढ़ने से पूर्वांचल व बुंदेलखंड के छात्र छात्राओं को प्रवेश परीक्षा देने में परेशानी नहीं होगी। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षा कानपुर, मेरठ, बांदा, अयोध्या, बरेली, लखनऊ, आगरा, वाराणसी, झांसी एवं आजमगढ़ जनपदों में होगी।

कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने बताया कि दाखिले के लिए प्रवेश फार्म भरने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल 2023 है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष प्रवेश परीक्षा आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज, अयोध्या संपन्न करा रहा है। डॉक्टर उपाध्याय ने कहा कि छात्र-छात्राएं संयुक्त कृषि प्रवेश परीक्षा की अद्यतन जानकारी वेबसाइट https://upcatete&am.net www.nduat.org से प्राप्त कर सकते हैं।

■ प्रवेश फार्म भरने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल 2023 तक होगी

वर्ष-17 अंक-100 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, गुरूवार 13 अप्रैल 2023
कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित
RNI N.UPHIN/2007/27090
दैनिक
नगर छाया
आप की आवाज़.....

यूपी कैटेट संयुक्त प्रवेश परीक्षा होगी सीसीटीवी कैमरे की निगरानी मेंः कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह ने बताया कि प्रदेश के चारों कृषि विश्वविद्यालयों की संयुक्त प्रवेश परीक्षा संपन्न कराने हेतु तैयारियां जोरों से चल रही है। कुलपति ने कहा कि प्रवेश परीक्षा नकल विहीन कराने को लेकर सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे,और नकल करते पकड़े जाने पर नकलचियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कुलपति ने कहा कि प्रवेश परीक्षा में किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने बताया कि यूपी कैटेट संयुक्त प्रवेश परीक्षा 30 एवं 31 मई-2023 को प्रदेश के 10 शहरों में आयोजित कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बार प्रवेश परीक्षा के लिए दो और जनपदों आजमगढ़ एवं झांसी को शामिल किया गया है। इन दो जनपदों के बढ़ने से पूर्वांचल व बुंदेलखंड के छात्र छात्राओं को प्रवेश परीक्षा देने में परेशानी नहीं होगी। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षा कानपुर,मेरठ,बांदा, अयोध्या, बरेली, लखनऊ,आगरा,वाराणसी, झांसी एवं आजमगढ़ जनपदों में होगी। कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने बताया कि दाखिले के लिए प्रवेश फार्म भरने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल 2023 है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष प्रवेश परीक्षा आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज, अयोध्या संपन्न करा रहा है।डॉक्टर उपाध्याय ने कहा कि छात्र- छात्राएं संयुक्त कृषि प्रवेश परीक्षा की अद्यतन जानकारी वेबसाइट https://upcatete&am.net या www.nduat.org से प्राप्त कर सकते हैं।

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

राजस्थान को पहली वंदे भारत मिली... 12

अतीक प्रयागराज की नैनी जेल पहुंचा, कोर्ट में पेशी... 10

जन एक्सप्रेस

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 180
मूल्य: ₹ 3.00/-
पेज : 12

@janexpressnews | janexpresslive | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper

गुरुवार | 13 अप्रैल, 2023

यूपी कैटेट संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए सीएसए में तैयारियां तेज

जन एक्सप्रेस। प्रदीप शर्मा

कानपुर नगर। यूपी कैटेट संयुक्त प्रवेश परीक्षा को लेकर चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय सहित प्रदेश के चारों कृषि विश्वविद्यालयों में तैयारियां जोरों से चल रही है।

परीक्षा की तैयारियों के बारे में बताते हुए सीएसएयू के कुलपति डॉ. विजेंद्र सिंह ने कहा कि प्रवेश परीक्षा नकल विहीन कराने को लेकर सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रवेश परीक्षा में किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा व नकल करते पकड़े जाने पर परीक्षार्थी पर कार्रवाई की जाएगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पी.के. उपाध्याय ने बताया कि यूपी कैटेट संयुक्त प्रवेश परीक्षा 30 एवं 31 मई-2023 को प्रदेश के 10 शहरों में आयोजित कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बार प्रवेश परीक्षा के लिए दो और जनपदों आजमगढ़ एवं झांसी को शामिल किया गया है। जिससे पूर्वांचल व बुंदेलखंड के छात्र छात्राओं को प्रवेश परीक्षा देने में परेशानी का सामना ना करना पड़े। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षा कानपुर, मेरठ, बांदा, अयोध्या, बरेली, लखनऊ, आगरा, वाराणसी, झांसी एवं आजमगढ़ जनपदों में होगी। उन्होंने बताया कि दाखिले के लिए प्रवेश फार्म भरने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल 2023 है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष प्रवेश परीक्षा आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज, अयोध्या संपन्न करा रहा है। डॉ. उपाध्याय ने कहा कि छात्र- छात्राएं संयुक्त कृषि प्रवेश परीक्षा की जानकारी वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

दैनिक जागरण कानपुर 14/04/2023

केले के रेशे से उपयोगी वस्तुएं बनाना सिखाया

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान महाविद्यालय में गुरुवार को अमेठी से आई स्वयं सहायता समूह की 40 महिलाओं को केले के रेशे से उपयोगी वस्तुएं बनाना सिखाया गया। महाविद्यालय की डा. रितु पांडेय ने केलों के रेशों से डोरमैट, पर्स, वाल हैंगिंग, टोपी, टेबल, कोस्टर बनाने की विधि बताई। महिलाओं को बुनाई सिखाई गई। वि.

रहस्य संदेश
गुरूवार
13 अप्रैल 2023

यूपी कैटेट संयुक्त प्रवेश परीक्षा होगी, सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में:- कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह

(अनवर अशरफ)

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह ने बताया कि प्रदेश के चारों कृषि विश्वविद्यालयों की संयुक्त प्रवेश परीक्षा संपन्न कराने हेतु तैयारियां जोरों से चल रही है। कुलपति ने कहा कि प्रवेश परीक्षा नकल विहीन कराने को लेकर सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे,और नकल करते पकड़े जाने पर नकलचियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कुलपति ने कहा कि प्रवेश परीक्षा में किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने बताया कि यूपी कैटेट संयुक्त प्रवेश परीक्षा 30 एवं 31 मई-2023 को प्रदेश के 10 शहरों में आयोजित कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बार प्रवेश परीक्षा के लिए दो और जनपदों आजमगढ़ एवं झांसी को शामिल किया गया है। इन दो जनपदों के बढ़ने से पूर्वांचल व बुंदेलखंड के छात्र छात्राओं को प्रवेश परीक्षा देने में परेशानी नहीं होगी। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षा कानपुर,मेरठ,बांदा, अयोध्या, बरेली, लखनऊ,आगरा,वाराणसी, झांसी एवं आजमगढ़ जनपदों में होगी। कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने बताया कि दाखिले के लिए प्रवेश फार्म भरने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल 2023 है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष प्रवेश परीक्षा आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज, अयोध्या संपन्न करा रहा है।डॉक्टर उपाध्याय ने कहा कि छात्र- छात्राएं संयुक्त कृषि प्रवेश परीक्षा की अद्यतन जानकारी वेबसाइट https:// upcatetexam.net Üee www.nduat.org से प्राप्त कर सकते हैं।

हिंदुस्तान कानपुर देहात13/04/2023

मोटा अनाज किसानों को मुनाफा संग देता है पोषण

- महिलाओं को विज्ञानियों ने किया जागरूक
- मिलेट्स भारत की पारंपरिक फसल कहे जाते पावर हाउस

महिलाओं को जानकारी देती गृह विज्ञानी डा. निमिषा अवस्थी बीच मे • स्वयं

जासं, कानपुर देहात : मोटे अनाज का यह वर्ष है और यह मुनाफे संग स्वास्थ्य का खजाना है। कुपोषित लोगों के लिए यह बहुत ही लाभदायक है। यह बातें औरंगाबाद गांव में मोटे अनाजों की मूल्य संवर्धन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण में गृह विज्ञानी डा. निमिषा अवस्थी ने महिलाओं को कही।

उन्होंने कहा कि मोटे अनाजों को पोषण का पावर हाउस कहा जाता है। वर्तमान में रागी, ज्वार और बाजरा जैसे मोटे अनाज हमारे आहार में लगभग नगण्य हो गए हैं। उन्होंने बताया कि मिलेट भारत की पारंपरिक फसल है। यही वजह है कि भारत के नेतृत्व में पूरा विश्व 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में मना रहा है। इनके ऐसे व्यंजन बनाएं जो स्वादिष्ट हों और इनको पूरा परिवार खा सके। इनके उपभोग को बढ़ाने की दृष्टि से बाजरा का लड्डू व रागी के बिस्किट बनाना सिखाया। उन्होंने बताया कि बाजरे के 100 ग्रा. खाद्य हिस्से में लगभग 11.6 ग्राम प्रोटीन, 67.5 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 8 मिग्रा लौह तत्व और 132 माइक्रोग्राम कैरोटीन मौजूद होता है। जो हमारी आंखों की सुरक्षा करता है। रागी को भारतीय मूल का माना जाता है और यह उच्च पोषण मान वाला मोटा अनाज होता है। इसमें 344 मिग्रा व 100 ग्राम कैल्शियम होता है। रागी खाने की सलाह मधुमेह के रोगियों को दी जाती है। प्रभारी डा. अजय कुमार सिंह ने कहा लक्षित देशों के भारत स्थित विदेशी मिशनों के राजदूतों व संभावित आयातकों को 'रेडी टू ईट' मोटे अनाज उत्पादों सहित विभिन्न मोटे अनाज उत्पादों को प्रोत्साहित किए जाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के विज्ञानी डा. अरुण सिंह, डा. खलील खान, डा. राजेश राय, डा. विनोद प्रकाश के साथ औरंगाबाद, मझियार, खनखरी, रायपुर, सहतावनपुरवा गांव की 40 महिलाओं समेत 50 लोगों ने प्रतिभाग किया।

प्रैल (निस)। आगामी नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-
पूर्ण रूप से संपादित कराने के लिए पुलिस आयुक्त बीपी
मंडी में बनाए गए स्ट्रांग रूम, मतगणना स्थल आदि
आवश्यक निर्देश दिये।

करने वाले चोर गिरफ्तार

स)। रेल में हो रही चोरी की घटनाओ की रोकथाम
ी पर नियंत्रण हेतु प्रभारी निरीक्षक जीआरपी
दी के कुशल नेतृत्व में मंगलवार को एक शातिर
ाम
री
50
वे
ार
ास

युक के पास से चोरी मोबाइल बरामद हुए हैं।
कि जब ट्रेन आउटर पर धीमी हो जाती है। तो
सामान, बैग व मोबाइल चुरा लेता हैं व अंजान
कर मोबाइल बेच देता है। युवक को हिरासत
ार्यवाही की जा रही है।

बिस्किट बनाना सिखाया। उन्होंने बताया कि बाजरे के 100 ग्रा. खाद्य जाता है और यह उच्च पोषण मान वाला मोटा अनाज होता है, जिसमें अनाजों से अधिक है। रागी खाने की सलाह मधुमेह के रोगियों को दी

कैमरे की निगरानी में होगी यूपी कैटेट संयुक्त प्रवेश परीक्षा

कानपुर, 12 अप्रैल (निस)। सीएसए के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह ने बताया कि प्रदेश के चारों कृषि विश्वविद्यालयों की संयुक्त प्रवेश परीक्षा संपन्न कराने हेतु तैयारियां जोरों से चल रही है। कुलपति ने कहा कि प्रवेश परीक्षा नकल विहीन कराने को लेकर सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, और नकल करते पकड़े जाने पर नकलचियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कुलपति ने कहा कि प्रवेश परीक्षा में किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने बताया कि यूपी कैटेट संयुक्त प्रवेश परीक्षा 30 एवं 31 मई को प्रदेश के 10 शहरों में आयोजित कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बार प्रवेश परीक्षा के लिए दो और जनपदों आजमगढ़ एवं झांसी को शामिल किया गया है। इन दो जनपदों के बढ़ने से पूर्वांचल व बुंदेलखंड के छात्र छात्राओं को प्रवेश परीक्षा देने में परेशानी नहीं होगी। उन्होंने बताया कि

प्रवेश परीक्षा कानपुर, मेरठ, बांदा, अयोध्या, बरेली, लखनऊ, आगरा, वाराणसी, झांसी एवं आजमगढ़ जनपदों में होगी। कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने बताया कि दाखिले के लिए प्रवेश फार्म भरने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष प्रवेश परीक्षा आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज, अयोध्या संपन्न करा रहा है।

सहित विभिन्न मोटे अनाज उत्पादों को प्रोमोट किये जाने की अवश्यकता है। और घर में मोटे अनाजो के उपभोग को बढ़ावा देने में महिलाओं की महती भूमिका है।

कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ अरुण सिंह, डॉ. खलील खान, डॉ. राजेश राय, डॉ विनोद प्रकाश के साथ औरंगाबाद, मझियार, खनखरी, रायपुर, सहतावनपुरवा गाव की 40 महिलाओं समेत 50 लोगो ने प्रतिभाग किया।

तिमाही रिजल्ट में ---

पेज 1 का शेष

प्राथमिक स्तर पर है और ये चर्चा 15 सितंबर को नोटिस पीरियड समाप्त होने के बाद से हो रही है। चौथी तिमाही के रिजल्ट के आते ही उसके शेयरों में बढ़त आ गई है।

इंडिया की प्रगति से ---

पेज 1 का शेष

पहली चोट कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ी। उन्होंने कहा, इसके तुरंत बाद, गेहूं की कीमतें बढ़ गई, क्योंकि तेल की कीमतें निश्चित रूप से एक अधिक जटिल मुद्दा थीं। गेहूं यूक्रेन से निर्यात की कमी का प्रत्यक्ष परिणाम था। यूक्रेन गेहूं का एक बड़ा निर्यातक है।

बाजार में लगातार ---

पेज 1 का शेष

प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख रहा। अमेरिकी बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.35 फीसदी की बढ़त के साथ 85.91 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने मंगलवार को 342.84 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

सीसीटीवी की निगरानी में होगी यूपीकैटेट

20 अप्रैल तक होंगे आवेदन, 30 और 31 मई को होगा एग्जाम

30 व 31 मई को होगा एग्जाम

10 शहरों में कराई जाएगी परीक्षा

20 अप्रैल तक कर सकते आवेदन

KANPUR (12 April): उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (यूपीकैटेट) इस बार सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में होगी. सीसीटीवी की मॉनिटरिंग के लिए परीक्षा केंद्र वाले जिलों में कंट्रोल रूम बनेगा. जहां परीक्षा के दौरान अधिकारी बैठकर मॉनिटरिंग करेंगे. बताते चलें कि यूपीकैटेट से प्रदेश के अयोध्या, मेरठ, बांदा और कानपुर स्थित एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटीज में यूजी, पीजी और पीएचडी कोर्स में एडमिशन मिलता है. एग्जाम 30 एवं 31 मई को स्टेट के 10 शहरों में होगी. एग्जाम के लिए एप्लीकेशन 20 अप्रैल तक ली जाएंगी. पहली बार आजमगढ़ और झांसी में भी एग्जाम सेंटर बनाया जा रहा है.

अंतिम दौर में तैयारी

सीएसए यूनिवर्सिटी के कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह ने बताया कि यूपीकैटेट के आयोजन की तैयारियां अंतिम दौर में हैं. नकल विहीन परीक्षा कराने के लिए सभी सेंटर्स पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे. नकल करते पकड़े जाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. सीएसए रजिस्ट्रार डा. पीके उपाध्याय ने बताया कि इस साल यूपीकैटेट का आयोजन आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अयोध्या की ओर से किया जा रहा है.

आई नेक्स्ट कानपुर 13/04/2023

सीएसए के कॉलेज ऑफ कम्यूनिटी साइंस की लैब में हुआ इनोवेशन

टेस्ट के साथ सेहत भी बनाएगा बाजरे का केक

रिसर्च के बाद तैयार किया केक.

ऐसा बनेगा केक

केक बनाने के लिए बाजरे का आटा, गेंहू का आटा, चीनी, बेकिंग पाउडर, अंडा और वनिला एसेंस की आवश्कता है. सभी चीजों को एक निश्चित मात्रा में मिलाकर तैयार मिक्चर को ओवन में बेक्ड करके ठंडा होने पर अलग अलग आकार में काटकर इसको खा सकते हैं. केक में स्वाद को बढ़ाने के लिए कटे हुए ड्राई फ्रूट्स को मिला सकते हैं. वहीं लड्डू बनाने के लिए बाजरे का आटा, चीनी, घी और मेवा की आवश्कता है.

आई नेक्स्ट कानपुर 13/04/2023

अब केक खाने में नही रहेगी सेहत की चिंता, मैदा और ग्लूटेन फ्री केक फिट रखेगा सेहत

KANPUR (12 April): बच्चे हो या बड़े केक किसको नहीं पसंद है. बर्थडे तो केक कटिंग के बिना सेलिब्रेशन पूरा ही नहीं होता है. लेकिन, हेल्थ कांशियस लोग इसको खाने से बचते हैं या फिर कम खाया जाता है. कुल मिलाकर मन को मारने में ही सेहत की भलाई है. लेकिन अब ऐसा नहीं होगा. आपके टेस्ट और सेहत को ध्यान में रखते हुए चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कॉलेज ऑफ कम्यूनिटी साइंस में बाजरे का केक और लड्डू बनाए गए. यह केक और लड्डू मैदा रहित और ग्लूटेन फ्री हैं. मोटे अनाज से बने केक को बीते दिनों कैंपस में आए जापानी प्रतिनिधिमंडल को परोसा गया तो उन्होंने ने भी टेस्ट को लेकर वाह वाह की.

बाजरे में नहीं होता कोलेस्ट्रॉल

डॉ. सीमा ने बताया कि बाजरे में कोलेस्ट्रॉल नहीं होता है. अगर हम 100 ग्राम बाजरे की बात करें तो उसमें 378 कैलोरी पाई जाती है. इसके अलावा 0.7 ग्राम फुड फैट, 201 ग्राम पाली अनसैचुरेटेड फैट, 0.8 ग्राम मोनो अनसैचुरेटेड, 09 ग्राम फाइबर, 73 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 11 ग्राम प्रोटीन, 195 मिलीग्राम पोटैशियम और 51 मिलीग्राम सोडियम पाया जाता है.

बीपी रहे[illegible] कंट्रोल में

डॉ. सीमा ने बताया कि बाजरे से बनी डिश दिल के लिए फायदेमंद है. इसमें मैग्नीशियम पाया जाता है जो कि ब्लड प्रेशर (बीपी) को मैनेज और दिल को हेल्दी रखने का काम करता है. इसमें गुड फैट, पॉलीअनसैचुरेटेड फैट, कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन आदि पाया जाता है.

" बाजरे से बना केक स्वादिष्ट है. इसको और बेहतर बनाने के लिए इसमें सुधार किया जाना है. इसके लिए विभाग में काम शुरु हो गया है. सुधार के बाद यदि कोइ स्टूडेंट अपना बिजनेस स्टार्ट करना चाहता है तो सीएसए का एग्री स्टार्टअप सेल कंपनी को तकनीकी सहयोग और इंक्यूबेट करेगा. इस काम को शुरु करने में कोई खास इंवेस्टमेंट की भी जरुरत नहीं है. मामूली कीमत में घर से ही इस बिजनेस को शुरू किया जा सकता है.

डॉ. विजय यादव, प्रभारी एग्री स्टार्टअप एंड इंक्यूबेशन सेल, सीएसए

रिसर्च स्टूडेंट्स ने तैयार किया

सीएसए के कॉलेज ऑफ कम्यूनिटी साइंस विभाग की होम साइंटिस्ट डॉ. सीमा सोनकर ने बताया कि मिलेट्स ईयर में में बाजरे का केक और लड्डू बनाने का प्रयास किया गया, जिसमें सक्सेस मिली है. यह केक शरीर को किसी भी तरह से नुकसान नहीं पहुंचा रहा है. इसका सेवन स्वाद और हेल्थ दोनों के लिए लाभदायक है. वहीं बाजरे से बने लड्डू भी पौष्टिक है. इस केक को डॉ. सीमा के डायरेक्शन में रिसर्च स्टूडेंट रिचा और छवि ने बनाया है.